दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 08 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 280

महत्वपूर्ण एवं खास

हैदराबाद के पास बस में आग लगी, बाल-बाल बचे यात्री

हैदराबाद (आरएनएस)। हैदराबाद के आउटर रिंग रोड के पास पेद्दा अंबरपेट में शुक्रवार को एक सरकारी बस में आग लगने के बाद 40 से अधिक यात्री बाल-बाल बच गए। हादसे में कोई भी घायल नहीं हुआ। आग फैलने से पहले सभी यात्री उतर गए थे। 45 यात्रियों वाली बस हैदराबाद से गुंटूर जा रही थी। एक यात्री ने धुआं देखा और बस रुकवा दी। ड्राइवर के अलर्ट होने पर सभी यात्री बस से नीचे उतर आए। दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पाया गया। घटना में बस आंशिक रूप से जल गई है। आरटीसी अधिकारियों की प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आग एयर कंडीशनर की वजह से लगी।

पाकिस्तान में भूस्खलन में आठ बच्चों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भूस्खलन में आठ बच्चों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकारी बचाव 1122 ने एक बयान में कहा कि कुछ बच्चे शांगला जिले में एक टीले के नीचे स्थित मैदान में गुरुवार को क्रिकेट खेल रहे थे। उसी समय हुए भूस्खलन में नौ बच्चे दब गए। बीती देर रात एक घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद रेस्क्यू 1122, स्थानीय स्वयंसेवकों और पाकिस्तान सेना की बचाव टीमों ने मलबे से आठ शव और एक घायल बच्चे को बरामद किया। स्थानीय लोगों ने पुष्टि की है कि मलबे के नीचे अब कोई लापता बच्चा नहीं है। बचाव दल ने कहा कि इलाके में बुधवा से हो रही भारी बारिश के कारण यह भूस्खलन हुआ।

शिव भक्तों के लिए बड़ी खबर, रोकी गई अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर (आरएनएस)। कश्मीर में शुक्रवार को भारी बारिश के कारण मौसम में सुधार होने तक अमरनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर पहलगाम और उत्तरी कश्मीर बालटाल मार्गों पर भारी बारिश के कारण तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए गुफा मंदिर की ओर जा रहे यात्रियों को रोक दिया गया है। पहलगाम में 3,200 और बालटाल आधार शिविर में 4,000 तीर्थयात्री हैं। मौसम में सुधार के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। अधिकारियों ने कहा, 1 जुलाई को शुरू होने के बाद से पिछले छह दिनों के दौरान 84,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने यात्रा की है। बताते चलें कि जम्मू कश्मीर में गुरुवार को श्री अमरनाथजी पवित्र गुफा में दर्शन करने वाले 17202 से अधिक यात्रियों के साथ ही पिछले सात दिनों के दौरान दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या अब तक 84768 तक पहुंच गई है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। पवित्र गुफा के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों में 12408 पुरुष, 4095 महिलाएं, 490 बच्चे, 192 साधु और 17 साध्वियां शामिल थीं।

छत्तीसगढ़ को मिली 7 हजार करोड़ की सौगात

❐ आदिवासी क्षेत्रों के विकास की नई गाथा शुरू- प्रधनमंत्री मोदी

रायपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। आज छत्तीसगढ़ को 7000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उपहार मिला है। यह उपहार अधोसंरचना के लिए है। कनेक्टिविटी के लिए है। यह उपहार छत्तीसगढ़ के लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए है। यहां की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए है। भारत सरकार की इन परियोजनाओं से यहां रोजगार के अनेकों नए अवसर मिलेंगे। खनिजों से जुड़े प्रोजेक्ट को भी बहुत लाभ मिलेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि आदिवासी क्षेत्रों में सुविधा और विकास की नई यात्रा शुरू होगी। मैं छत्तीसगढ़ के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। भारत में हम सभी का दशकों पुराना अनुभव यही है कि जहां इंफ्रास्ट्रक्चर कमजोर रहा वहां विकास भी उतनी ही देरी से पहुंचा। इसलिए आज भारत उन क्षेत्रों में अधिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहा है जो विकास की दौड़ में पीछे रह गए हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर यानी लोगों के जीवन में आसानी, व्यापार कारोबार में आसानी, रोजगार के लाखों अवसरों का निर्माण, इंफ्रास्ट्रक्चर यानी तेज विकास। आज भारत में जिस तरह आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है, छत्तीसगढ़ में भी यह नजर आ रहा है। पिछले 9 वर्षों में छत्तीसगढ़ के हजारों आदिवासी गांवों में प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना के तहत सडक़ पहुंची हैं। भारत सरकार ने लंबी हाईवे की योजनाएं शुरू की हैं। 3000 किलोमीटर की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इसी कड़ी में आज रायपुर पतरापाली हाईवे का लोकार्पण हुआ है। कनेक्टिविटी के लिए भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ में अभूतपूर्व कार्य किया है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का एक बहुत बड़ा लाभ यह है। इस पर उतनी चर्चा नहीं हो पाती। इसका संबंध सामाजिक न्याय से भी है। जो सदियों से अन्याय और असुविधा झेलते रहे उन तक भारत सरकार आधुनिक सुविधाएं पहुंचा रही है। गरीब दलित पिछड़े आदिवासी इनकी बस्तियों को जोडऩे आज यह सडक़ है। यह रेल लाइनें जोड़ रही हैं। दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों को माताओं बहनों को आज अस्पताल

पहुंचने में सुविधा हो रही है। यहां के किसानों, यहां के मजदूरों को इससे सीधा लाभ हो रहा है। इसका एक और उदाहरण मोबाइल कनेक्टिविटी भी है। 9 साल पहले छत्तीसगढ़ के 20 प्रतिशत से ज्यादा गांवों में किसी तरह की मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं थी आज यह घटकर केवल 6 प्रतिशत रह गई है। अधिकतर जनजातीय गांव हैं, नक्सल हिंसा से प्रभावित गांव हैं, इन गांवों को भी अच्छी 4 जी कनेक्टिविटी मिली। इसके लिए भारत सरकार ने 700 से ज्यादा मोबाइल टावर लगाए। 300 काम करना शुरू कर चुके हैं। आदिवासी गांवों में पहुंचते ही मोबाइल सन्नाटे में आ जाते थे। आज उसी गांव में मोबाइल की रिंगटोन बज रही है। मोबाइल कनेक्टिविटी पहुंचने से गांव के लोगों को काम में मदद मिलती है। यही तो सामाजिक न्याय है। यही तो सबका साथ सबका विकास है। रायपुर विशाखापट्टनम कॉरिडोर के काम इस क्षेत्र का भाग्य बदलने वाले हैं। यह आकांक्षी जिलों से होकर गुजर रहे हैं जिन्हें पिछड़ा कहा जाता था जहां कभी हिंसा और अराजकता थी, आज उन्हीं क्षेत्रों में भारत सरकार के नेतृत्व में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। इस कॉरिडोर से रायपुर विशाखापट्टनम के बीच का सफर आधा हो जाएगा। यह छत्तीसगढ़ की समृद्धि को देश से जोडऩे का काम करेगा। यह वन्यजीव क्षेत्रों से गुजरेगी इसलिए वन्यजीवों की सहूलियत के लिए व्यवस्था की जाएगी। दल्ली राजहरा से जगदलपुर रेल लाइन हो, अंतागढ़ से रायपुर के लिए सीधी रेल सेवा हो, इससे यहां के क्षेत्रों में आना-जाना और आसान होगा। भारत सरकार का कमिटमेंट है जहां प्राकृतिक संपदा है वहीं नए अवसर बनें। ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगे, इस दिशा में भारत सरकार ने जो प्रयास 9 साल में किए हैं उनसे छत्तीसगढ़ में औद्योगिकरण को नई ऊर्जा मिली है। भारत सरकार की नीतियों से छत्तीसगढ़ के पास राजस्व के रूप में अधिक पैसा पहुंचा है। खास तौर पर माइंस और मिनरल एक्ट बदले जाने के बाद छत्तीसगढ़ को अधिक पैसा मिलने लगा है। 2014 से पहले के 4 वर्षों में छत्तीसगढ़ को 1300 सौ करोड़ रॉयल्टी के रूप में मिले जबकि 15 16 से 21-22 के बीच लगभग 28 सौ करोड़ मिले। इससे छत्तीसगढ़ के कामों में डीएमएफ का पैसा खर्च हो रहा है। विकास के काम में छत्तीसगढ़ को बहुत लाभ हुआ है। भारत सरकार के प्रयास से छत्तीसगढ़ में 16000000 से ज्यादा जनधन खाते खोले गए हैं। जिनमें 6000 करोड़ से अधिक जमा हैं। यह गरीबों किसानों श्रमिकों का पैसा है जो यहां वहां रखने के लिए मजबूर थे। आज जनधन खातों की वजह से गरीबों को सरकार की सीधी मदद मिल पा रही है। छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार मिले, स्वरोजगार करना चाहे तो स्वरोजगार मिले, इसके लिए भारत सरकार निरंतर काम कर रही है। मुद्रा योजना के अंतर्गत युवाओं को मदद दी गई है। यह पैसे भी बिना गारंटी के दिए गए हैं। बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के गांव में हमारे आदिवासी युवाओं ने अपना कुछ काम शुरू किया है। भारत सरकार ने कोरोना वायरस के समय देश के छोटे उद्योगों को मदद देने के लिए भी लाखों करोड़ों की योजना बनाई। छत्तीसगढ़ के दो लाख उद्यमों को 5000 करोड़ की मदद मिली। पहले कभी किसी सरकार ने ठेले वालों की सुध नहीं ली। ठेले वाले को भारत सरकार अपना साथी समझती है। इनके लिए योजना बनाई। बिना गारंटी के लोन दिया। छत्तीसगढ़ में 60 हजार से ज्यादा लाभार्थी हैं। यह पैसा गरीबों की जेब में पहुंचा। आयुष्मान कार्ड वितरण योजना शुरू हुई है। छत्तीसगढ़ के लोगों को स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका लाभ मिलेगा। पिछड़े दलित आदिवासियों का जीवन बचाने में मदद मिलेगी। यह कार्ड दूसरे राज्य में भी काम आता है। भारत सरकार सेवा भाव से छत्तीसगढ़ के हर परिवार की सेवा करती रहेगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भगवान राम और माता कौशल्या की धरती में प्रधानमंत्री जी और आप सभी का स्वागत है। प्रधानमंत्री जी और हम मिलते रहे और छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मिलकर नीति आयोग में भी, निवास कार्यालय और कभी पत्राचार के माध्यम से हम लोग मांग करते रहे। उन मांगों को दोहराना नहीं चाहता। भूतल परिवहन मंत्री गडकरी जी से हम जितना मांगते हैं, उससे ज्यादा ही देते हैं। उनका स्वागत है। केंद्र राज्य संबंध के आधार पर केंद्र सरकार से मांगते रहेंगे। छत्तीसगढ़ विकास की गति में आगे बढ़े। राज्य में ज्यादा से ज्यादा राशि मिले। प्रधानमंत्री जी, केंद्रीय मंत्री और राज्यपाल जी को धन्यवाद देता हूं।

फलकनुमा एक्सप्रेस में लगी भीषण आग, तीन डिब्बे जलकर खाक; यात्रियों में हड़कंप

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के यदाद्री भोंगिर जिले में शुक्रवार को हावड़ा-सिकंदराबाद फलकनुमा एक्सप्रेस में आग लग गई। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना के दौरान यात्रियों में हडक़ंप मच गया। लोको पायलट के अलर्ट करने के बाद ट्रेन को पगिडीपल्ली और बोम्मयापल्ली के बीच रोक दिया गया। सभी यात्री ट्रेन से नीते उतर गए। एक डिब्बे से शुरू हुई आग तीन अन्य डिब्बों तक फैल गई। रेलवे स्टाफ ने प्रभावित कोचों को हटा दिया है। तीनों डिब्बे जलकर खाक होते नजर आ रहे हैं। हालांकि ये आग कैसे लगी, इस बारे में अभी कोई जानकारी नही है। ट्रेन में सवार यात्रियों को फिलहाल दूसरी ट्रेन से भेजने की व्यवस्था की जा रही है। वहीं आग लगने के कारणों के बारे में पता करने के लिए रेलवे ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एक यात्री ने बताया कि आग एस 4 कोच से शुरू हुई। एस 5 में यात्रा कर रहे एक यात्री ने कहा, वहां अफरा-तफरी मच गई और हम सभी जान बचाने के लिए बाहर भागे। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं। फंसे हुए यात्रियों को लाने के लिए सिकंदराबाद से एक विशेष ट्रेन रवाना हुई। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन भी घटनास्थल के लिए रवाना हुए।

चुनाव जीतती हैं पत्नियां, पंचायत चलाते हैं पति : आरक्षण के दुरुपयोग पर सको याचिका

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंचायत चुनावों में महिला आरक्षण के दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई। याचिका में कहा गया कि महिला आरक्षण होने के चलते पत्नियां चुनाव जीतती हैं लेकिन उनके पति पंचायत चलाते हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका में आरोप लगाया गया था कि पंचायतों में महिला आरक्षण का दुरुपयोग किया जा रहा है क्योंकि आरक्षित सीटों पर अपनी पत्नियों के जीतने के बाद पति प्रॉक्सी के माध्यम से ग्राम पंचायत चला रहे हैं।

अनुच्छेद 243डी(3) में महिलाओं के लिए पंचायत में कम से कम एक तिहाई सीटें आरक्षित करने की परिकल्पना की गई है। एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड, स्वाति जिंदल के माध्यम से दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि भले ही आरक्षण लागू किया गया है, लेकिन असल में यह एक प्रॉक्सी मॉडल के माध्यम से कार्य कर रहा है, जिसमें इन निर्वाचित महिलाओं के पति पंचायतों का संचालन कर रहे हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए, याचिका में शीर्ष अदालत से रिसर्च कराने करने और दुरुपयोग को रोकने के लिए समाधान प्रदान करने के लिए एक समिति गठित करने की मांग की गई। कोर्ट ने याचिका के तहत कोई नोटिस जारी नहीं किया है। इसे मुंडोना ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से दायर किया गया था। हालांकि न्यायमूर्ति एसके कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता से संबंधित पंचायती राज मंत्रालय के सामने इस मुद्दो को उठाने के लिए कहा है कि क्या आरक्षण के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए एक बेहतर तंत्र लागू किया जा सकता है।

पीठ की दृढ़ राय थी कि वर्तमान याचिका में उठाए गए मुद्दे को हल करना शीर्ष अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। पीठ ने कहा, इस पर गौर करना पंचायत राज मंत्रालय का काम है कि क्या आरक्षण के उद्देश्य को लागू करने के लिए कोई बेहतर तंत्र है। इस प्रकार याचिकाकर्ता संबंधित मंत्रालय को अभ्यावेदन दे सकता है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 18 की मौत, सरकार ने दिए मुआवजे के निर्देश

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। इस बारिश ने कहीं राहत प्रदान की तो कहीं कहर बनकर बरसी। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों घायल हो गए। आकाशीय बिजली गिरने से कई मवेशियों की भी मौत हुई। बता दें कि उत्तर प्रदेश में बुधवार की शाम कई जिलों में मॉनसून की झमाझम बारिश हुई। सरकार की तरफ से सभी मृतकों के परिजनों को दैवीय आपदा के तहत मुआवजा देने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में आकाशीय बिजली कहर बनकर टूटी। यहां अलग-अलग इलाकों में बिजली गिरने से कुल तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन लोग झुलस गए। सदर तहसील इलाके के मिल एरिया थाना क्षेत्र में अधेड़ की मौत हुई। मृतक अधेड़ संदी नागिन गांव का रहने वाला था और छेदी का पुरवा गांव में किसी काम से आया था, तभी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया। दूसरी घटना भदोखर थाना क्षेत्र के सराय दामू की है, जहां बिजली गिरने से एक महिला की मौत हुई। मृतका अन्य महिलाओं के साथ खेत में धान की रोपाई कर रही थी। तीसरी घटना सलोन तहसील के डीह थाना इलाके के गोइरा गांव में हुई। गांव का रहने वाला 16 वर्षीय किशोर मोहित की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। मोहित मवेशियों को चरा रहा था। इस दौरान एक गाय की भी बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं भदोखर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में 3 लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों और परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। जिसमें 2 महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है।

उधर महोबा जनपद में भी झमाझम बारिश के बीच आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिला। खेत में काम कर रही एक महिला की मौत हो गई, जबकि पति-पत्नी सहित 7 ग्रामीण गंभीर रूप से झुलस गए। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 70 बकरियां, एक भैंस सहित 80 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई, महोबा में तीन तहसील बिलखी, सूपा और तेलीपहाड़ी में आकाशीय बिजली गिरने की घटना हुई।

प्रयागराज में बुधवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कई मौतें हुई। प्रयागराज जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 3 की मौत हो गई, जबकि एक झुलस गया। कौशांबी जिले में भी आकाशीय बिजली गिरने से एक बच्चे की मौत हुई। गंगापार के हंडिया थाना क्षेत्र के भूई गांव में 12 वर्षीय लडक़ी काजल की मौत हो गई, जबकि 8 वर्षीय छोटा भाई अतुल झुलस गया। हंडिया थाना क्षेत्र में ही आरांव गांव के 65 वर्षीय राम जी की आकाशीय बिजली से मौत हो गई। बुधवार शाम 5:00 बजे भैंस चराने के दौरान आकाशी बिजली गिरी थी। यमुनापार के जसरा में तातारगंज निवासी 50 वर्षीय नवल सिंह की भी मौत हुई। वे खेत में मेड़ बांधते समय आकाशीय बिजली की चपेट में आए। कौशांबी के पिपरी थाना क्षेत्र के बूदां गांव में 12 वर्षीय पंकज की भी मौत हुई। घटना के वक्त पंकज मवेशी चरा कर घर लौट रहा था।

झांसी जिले से भी कई जगह बिजली गिरने की खबर आई, जिसकी चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो किसान गंभीर रूप से घायल हो गए। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 20 मवेशियों की भी मौत हुई। एटा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। बदायूं जिले में भी आकाशीय बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हुई। बाइक से जा रहे दो युवकों और स्कूल से लौट रही कक्षा 6 की बच्ची की मौत हो गई। अयोध्या जिले में आकाशीय बिजली गिरने से महिला किसान की मौत हो गई। घटना के वक्त महिला खेत में धान का बेरन लगा रही थी।

मानहानि मामले में राहुल गांधी को गुजरात हाई कोर्ट से झटका, सजा बरकरार

सूरत (आरएनएस)। गुजरात हाई कोर्ट ने शुक्रवार को आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की दो साल की जेल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इसके कारण उनकी संसद की सदस्यता चली गई थी। अदालत ने फैसला सुनाया कि दोषसिद्धि पर रोक लगाना एक अपवाद है, नियम नहीं। मानहानि का मामला 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान से जुड़ा है, जब राहुल गांधी ने मोदी सरनेम को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है।

गांधी के वकील ने तर्क दिया था कि उनके मुवक्किल अपनी लोकसभा सीट स्थायी और अपरिवर्तनीय रूप से खो सकते हैं, क्योंकि अपराध में अधिकतम दो साल की सजा का प्रावधान है। वकील ने आगे तर्क दिया कि इस तरह के नुकसान के चलते उस व्यक्ति और जिस निर्वाचन क्षेत्र का वह प्रतिनिधित्व करता है, उसके लिए बहुत गंभीर परिणाम होंगे। इससे पहले मई में गुजरात उच्च न्यायालय ने इस मानहानि मामले में सजा पर रोक लगाने के लिए राहुल गांधी की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

यह मामला कर्नाटक के कोलार में 2019 की एक रैली से जुड़ा है, जहां राहुल गांधी ने कहा था: नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी। सभी चोरों का उपनाम मोदी कैसे हो सकता है? इस टिप्पणी पर सूरत के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया।

सीआईडी क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्यवाई : बारां जिले में कार सवार तस्करों से 9 करोड़ कीमत की 3 किलो 600 ग्राम स्मैक की बरामद

जयपुर (आरएनएस)। पुलिस मुख्यालय की सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम की सूचना व सहयोग से बारां जिले के सदर थाना क्षेत्र के फतेहपुर टोल के पास झारखंड नंबर की कार पर सवार दो तस्करों को गिरफ्तार कर ड्राइवर साइड के दोनों टायरों के बीच गुप्त स्थान बनाकर उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले से तस्करी कर लाई जा रही उच्च क्वालिटी की 3 किलो 600 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 9 करोड़ रुपये आंकी गई है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम के सहयोग से हुई पिछले 2 दिनों में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले बुधवार को टीम ने 007 गैंग के सरगना समेत 10 बदमाशों को डिटेन कर अवैध हथियार और लाखों रुपए नगद बरामद किए गए थे।

एडीजी एमएन ने बताया कि राज्य में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी के अंतर्गत सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा संदिग्ध तस्करों को चिन्हित कर उन पर नजर बनाए हुए हैं। राज्य में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के बारे में मुखबिर से मिली सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव भटनागर व नरोत्तम वर्मा के सुपर विजन में एक विशेष टीम गठित कर गुरुवार को बारां जिले में भेजी गई थी।

दिनेश एमएन ने बताया कि कार में दो युवक चालक इकबाल खान पुत्र लतीफ (35) निवासी ज्ञान मंदिर पावर हाउस थाना भवानी मंडी और भरत कुमार नागर पुत्र गोपाल लाल (28) निवासी केशोदा थाना बेसोदा मंडी जिला मंदसौर मध्य प्रदेश सवार थे। टीम को देख घबरा रहे दोनों ने पूछताछ मे बताया कि आगे नाकाबंदी में पुलिस गाड़ी और जाब्ता देखकर वे डर गए थे और पुलिस की गाड़ी के निकलने का इंतजार कर रहे थे।

एडीजी ने बताया कि दोनों व्यक्तियों के पास कुल 10 हजार रुपये और दो मोबाइल मिले। गाड़ी की तलाशी में संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। लेकिन कार सवार दोनों व्यक्तियों की घबराहट देखकर कार की बारीकी से तलाशी में चालक साइड के दोनों गेट के नीचे पिछले वाले टायर के आगे पैनल कटा हुआ नजर आया। टायर खोलकर पैनल के अंदर चेक करने पर खाकी टेप से लिपटे दो पैकेट मिले। पहले पैकेट में 1 किलो 820 ग्राम और दूसरे पैकेट में 1 किलो 800 ग्राम कुल 3 किलो 600 ग्राम स्मैक मिली।

24 घंटे आगे खिसका भारत का चंद्रयान-3, अब 14 को होगा लॉन्च

नई दिल्ली (आरएनएस)। चंद्रमा पर भारत की यात्रा के लिए अब एक दिन और इंतजार करना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि भारत के बहुप्रतीक्षित मून मिशन यानी चंद्रयान-3 के लॉन्च का समय 24 घंटे आग बढ़ गया है। इसरो ने कहा कि चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण 14 जुलाई, 2023 को दोपहर 2.35 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से निर्धारित है।

पहले कहा गया था कि चंद्रयान-3, 13 जुलाई को लॉन्च होगा। अब इसे एक दिन आगे बढ़ा दिया गया है। अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख सोमनाथ चांद पर इसके लैंडिंग का समय भी बताया है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के तहत इसरो 23 अगस्त या 24 अगस्त को चंद्रमा पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' का प्रयास करेगा।

इससे पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में बुधवार को चंद्रयान-3 अंतरिक्षयान को अपने नए प्रक्षेपण रॉकेट एलवीएम-3 से जोड़ दिया। चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित रूप से उपकरण उतारने और उससे अन्वेषण गतिविधियां कराने के लिए चंद्रयान-2 के बाद इस महीने चंद्रयान-3 प्रक्षेपित किया जाने वाला है।

इसरो ने एक ट्वीट में कहा,''आज, सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा में चंद्रयान-3 को एलवीएम-3 (लॉच व्हीकल मार्क-3) से जोड़ा गया।'' चंद्रयान-3 मिशन के तहत चंद्रमा के चट्टानों की ऊपरी परत की थर्मोफिजिकल विशेषताएं, चंद्रमा पर भूकंप आने की बारंबारता, चंद्रमा की सतह पर प्लाज्मा वातावरण और उपकरण उतारे जाने वाले स्थान के निकट तत्वों की संरचना का अध्ययन करने वाले उपकरण भेजे जाएंगे।

इसरो अधिकारियों के अनुसार,''लैंडर और रोवर पर लगे इन वैज्ञानिक उपकरणों को 'चंद्रमा का विज्ञान' विषय में रखा जाएगा, जबकि प्रायोगिक उपकरण चंद्रमा की कक्षा से पृथ्वी का अध्ययन करेंगे, जिन्हें 'चंद्रमा से विज्ञान' विषय में रखा जाएगा।''इस साल मार्च में चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान ने अपनी आवश्यक जांच पूरी कर ली और प्रक्षेपण के दौरान पेश आने वाली कठिन परिस्थितियों के परीक्षण में खरा उतरा है। लैंडर, चंद्रमा के एक विशेष स्थान पर सहजता से उतरने की क्षमता से लैस होगा और रोवर को तैनात करेगा, जो चंद्रमा की सतह पर रासायनिक विश्लेषण करेगा।